आया मैं शरण तुम्हारी | By Shanty Chouhan

बना दो बना दो श्याम बिगड़ी हमारी
बना दो कन्हैया बिगड़ी हमारी
लो आ गया मैं शरण में तुम्हारी
बना दो बना दो श्याम बिगड़ी हमारी

एक तेरे भरोसे ही जग छोड़ दिया हमने
सारे झूठे रिश्तो से मुंह मोड़ लिया हमने
तुझे सौंप दी है ज़िन्दगी ये साड़ी
बना दो बना दो श्याम बिगड़ी हमारी
लो आ गया मैं शरण में तुम्हारी
बना दो बना दो श्याम बिगड़ी हमारी

मेरे आंसू सूख गए दिल टूटा सौ सौ बार
अपनों से ही मुझको यहाँ ताने मिले हज़ार
हारे हुओ की तूने ज़िन्दगी सँवारी
बना दो बना दो श्याम बिगड़ी हमारी
लो आ गया मैं शरण में तुम्हारी
बना दो बना दो श्याम बिगड़ी हमारी
बना दो कन्हैया बिगड़ी हमारी
बना दो बना दो श्याम बिगड़ी हमारी

चोखानी कहे ओ श्याम मेरा हाथ पकड़ लेना
मैं गिर ना जाऊं कहीं बांहो में जकड लेना
तेरी दया के बिन ये ज़िन्दगी है भारी
बना दो बना दो श्याम बिगड़ी हमारी
बना दो कन्हैया बिगड़ी हमारी
बना दो बना दो श्याम बिगड़ी हमारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-shanty-chouhan/